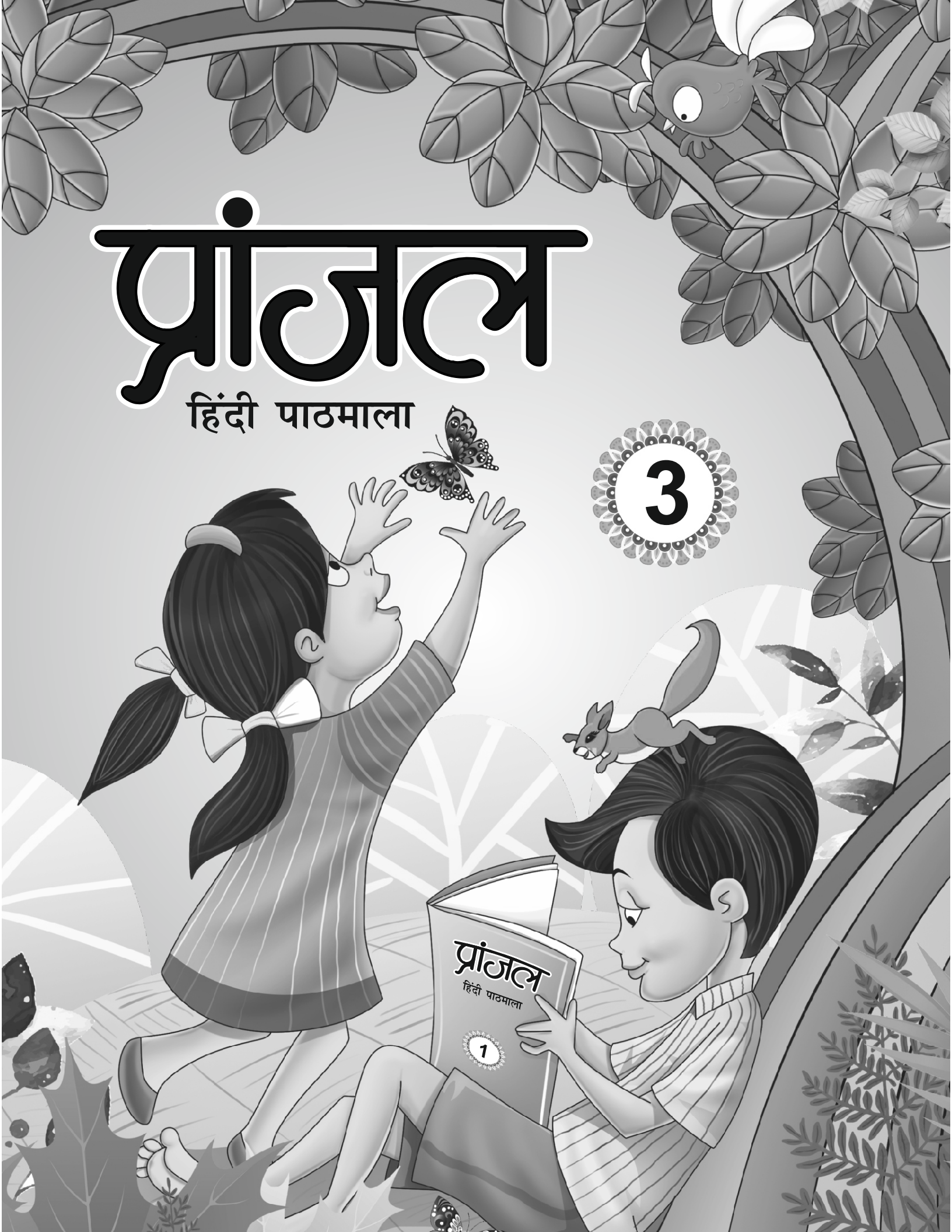


प्रांजल

हिंदी पाठमाला

3



1.

राष्ट्र निशान

- (क) 1. (ii) तिरंगा
2. (iii) शहीदों की
3. (ii) अशोक का
- (ख) 1. इस कविता के कवि का नाम रमेश गुप्ता है।
2. नील गगन में हमारा राष्ट्र निशान लहराता है।
3. हमें जय हिन्द का नारा लगाना चाहिए।
4. हमारा तिरंगा शहीदों की याद दिलाता है।
5. राष्ट्रीय झण्डे की रक्षा करना हमारा कर्तव्य है।
- (ग) 1. सितारे 2. अनेक बार
3. नारे 4. शहीदों
- (घ) 1. गुलामी 2. कल
3. अधर्म 4. पराया
5. धीमे से
- (ङ) 1. गगन — व्योम, अम्बर, आकाश
2. कसम — वादा, शपथ, सौगंध
3. नव — नूतन, नवीन, नया
4. राष्ट्र — देश, वतन, राज्य

(च) विचार कौशल

हमें हमारे राष्ट्रीय चिह्नों व प्रतीकों का सम्मान इसलिए करना चाहिए क्योंकि ये हमारी अस्मिता, गौरव और पहचान की निशानी हैं।

जीवन कौशल एवं मूल्य

अपने देश के प्रति हम सबका कर्तव्य है कि देश के प्रति वफादार और देशभक्त रहे। वक्त पड़ने पर देश की रक्षा के लिए तैयार रहे। ईमानदार और कर्तव्य के प्रति जागरूक और उदार रहे। भाईचारा और एकता बनाये रखें।



2.

सबसे बड़ा गुरु

- (क) 1. (i) गुरु
2. (ii) अर्जुन
3. (iii) कुत्ता
- (ख) 1. द्रोणाचार्य पाण्डवों और कौरवों के गुरु थे।
2. गुरुदेव के अनुसार, अभ्यास ही सबसे बड़ा गुरु है।

3. गुरु द्रोणाचार्य धनुर्विद्या का ज्ञान देते थे।
 4. एकलव्य ने द्रोणाचार्य से धनुर्विद्या सिखाने का अनुरोध किया।
- (ग) 1. शूद्र
2. द्रोणाचार्य
3. अभ्यास
- (घ) 1. कुत्ते
2. घटनाएँ
3. मूर्तियाँ
4. लताएँ
5. आँखें
6. कलमें
- (ङ) 1. दूर
2. अविश्वसनीय
3. घटना
4. बंद करना
5. शिष्य
6. सरल

विचार कौशल

- (च) 1. अभ्यास से व्यक्ति कुशल होता है।
2. प्रयोग से ही सभी आविष्कार हुए।
3. गुरु शिक्षा देकर हमें योग्य बनाते हैं।
4. अनुरोध करने से मुझे स्वीकृति मिल गई।

जीवन कौशल एवं मूल्य

छात्र स्वयं करें।

कला समन्वय

छात्र स्वयं करें।



3.

हमारा स्वास्थ्य

- (क) 1. (iv) ये सभी
2. (iii) ढक्कनदार डिब्बों में
3. (iii) व्यायाम
4. (iv) अच्छा स्वास्थ्य
- (ख) 1. स्वस्थ रहने से मन प्रसन्न रहता है। मनुष्य अत्यन्त उत्साह से काम करता है।
2. मनुष्य स्वच्छता, खुली हवा, स्वच्छ जल, पौष्टिक भोजन और व्यायाम करके स्वस्थ रह सकता है।
3. स्नान करते वक्त छिद्रों का मैल निकल जाना चाहिए। साबुन का उपयोग करके शरीर को तौलिये से रगड़कर पोंछना चाहिए।
4. शरीर को स्वस्थ रखने के लिए पौष्टिक भोजन की आवश्यकता होती है।
- (ग) 1. स्वस्थ
2. मस्तिष्क
3. स्वास्थ्य

- (घ) 1. आवश्यकताएँ 2. सब्जियाँ
3. अंडे 4. हवाएँ
- (ङ) 1. अस्वस्थ 2. अनावश्यक
3. गंदगी 4. अन्दर
5. बुरा
- (च) 1. स्वस्थ व्यक्ति सदैव प्रसन्न रहता है।
2. तन का ख्याल रखना हमारा परम कर्तव्य है।
3. प्रतिदिन स्नान करके स्कूल जाना चाहिए।
4. शरीर को स्वस्थ रखने हेतु व्यायाम आवश्यक है।



4.

रक्षा बंधन

- (क) 1. (ii) राखी
2. (i) रक्षा का
3. (ii) स्नेह
- (ख) 1. राखी में बहन का प्यार, भाई का स्नेह अपार, जीवन का सार और सही मूल्य का आधार है।
2. बहन अपने भाई को राखी बाँधती है।
3. राखी बाँधवाने वाले का कर्तव्य बहनों की लाज बचाना, वचन देकर भूल न जाना और उनकी रक्षा का प्रण निभाना।
- (ग) 1. अगस्त
2. भाई
3. रक्षा
- (घ) 1. कल
2. नफरत
3. याद रखना
- (ङ) 1. अपार — असीम, बेहद, बेशुमार
2. मूल्य — कीमत, भाव, दर
3. त्योहार — उत्सव, पर्व, जलसा

विचार कौशल

- (च) 1. हमें अपने दिए वचन को निभाना चाहिए।
2. त्योहार में उल्लास और खुशी छायी रहती है।
3. मूल्य जीवन को सार्थक बनाते हैं यथा ईमानदारी, कर्मठता और परिश्रम।

जीवन कौशल एवं मूल्य

भाई को रक्षाबंधन पर प्रण लेना चाहिए कि बहनों की लाज बचाएगा, दिये वचनों का पालन करेगा, उनकी हर प्रकार से रक्षा करेगा।

कला समन्वय

1. यह भाई-बहन के प्रेम का त्योहार है।
2. यह अगस्त माह में मनाया जाता है।
3. बहन भाई की कलाई पर राखी बाँधती है।
4. बहन भाई को तिलक लगाती है तथा उसे मिठाई खिलाती है।
5. भाई बहन को उपहार या धन देता है।
6. रक्षाबंधन भाई को उसके कर्तव्य की याद दिलाता है।
7. भाई को बहन की लाज की रक्षा करनी है।
8. भाई को वचन निभाने हैं और बहन की प्राण रक्षा करनी है।



5.

आया एक सपना

- (क) 1. (iii) सब्जियाँ 2. (ii) टमाटर 3. (ii) गोभी
- (ख) 1. सब्जियों का राजा आलू है।
2. गाजर खाने से आँखों की रोशनी तेज होती है।
3. ऐसा फूल फूलगोभी है जो सजावट या माला बनाने के काम नहीं आता।
4. सब्जियाँ खाने से बीमारियाँ दूर रहती हैं।
- (ग) 1. सब्जियाँ
2. सपना
3. बीमारियाँ
- (घ) 1. सब्जियाँ 2. सपने
3. दवाइयाँ 4. बीमारियाँ
- (ङ) 1. नापसंद 2. रात
3. धीमा 4. कमजोर

विचार कौशल

- (च) 1. रोशनी — रोशनी में सभी वस्तुएँ स्पष्ट दिखती हैं।
2. गोलमटोल — गोलमटोल बच्चे सबको पसन्द होते हैं।
3. सेहत — सेहत सही है तो सब सही है।
4. डॉक्टर — डॉक्टर रोगी का इलाज करता है।



6.

दीवाली

- (क) 1. (iii) लक्ष्मी
2. (ii) अयोध्या
3. (ii) नरकासुर
- (ख) 1. दीवाली अश्विन अमावस्या को मनायी जाती है।
2. लोग दीवाली पर लक्ष्मी की पूजा करते हैं।
3. दीपों का यह पावन पर्व हमें बुराई पर अच्छाई की विजय का संदेश देता है।
4. भगवान राम, रावण को हराकर अयोध्या आये थे। उनके स्वागत में अयोध्यावासियों ने अयोध्या को दीपों से जगमगा दिया था उसी दिन से प्रतिवर्ष दीवाली मनायी जाती है। इसलिए दीवाली को प्रकाश का पर्व कहा जाता है।
- (ग) 1. अश्विन अमावस्या 2. लक्ष्मी
3. व्रत 4. वर्षा
- (घ) 1. अमावस्या 2. दुःख
3. अंत 4. अमीर
5. पराजय 6. सायंकाल
- (ङ) 1. ऋतुएँ 2. नगरों
3. सुख 4. कथाएँ
- (च) 1. भगवान 2. देवी
- (छ) 1. विजय के बाद उल्लास मनाया जाता है।
2. उल्लास में सब अपने हो जाते हैं।
3. प्रगति करके ही देश शक्तिशाली बनता है।

जीवन कौशल एवं मूल्य

जीवन में प्रकाश का महत्व उन सद्कार्यों से है जो मानव को सही पथ पर चलाते हैं। अच्छे आचरण से ख्याति का प्रकाश चारों ओर फैलता है। हमें बुराई (अंधकार) को छोड़कर अच्छाई (प्रकाश) की ओर चलना चाहिए क्योंकि इससे समाज को लाभ होता है। मानव का नैतिक स्तर बढ़ता है और वह एक श्रेष्ठ मानव बनता है।

कला समन्वय

1. दीवाली (बुराई) पर अच्छाई की विजय की प्रतीक है।
2. दीवाली हर्ष और उल्लास का त्योहार है।
3. दीवाली पर प्रकाश किया जाता है जो भगवान राम की विजय का हर्ष प्रदर्शित करता है।
4. दीवाली पर लक्ष्मी जी की पूजा की जाती है और समृद्धि की कामना की जाती है।
5. हम मित्रों व संबंधियों को उपहार व मिठाइयाँ भेंट करते हैं।



7.

हिमालय

- (क) 1. (iv) (ii) और (iii) दोनों
2. (ii) अविचल
3. (i) नभ के तारे
- (ख) 1. इस कविता के कवि का नाम सोहन लाल द्विवेदी हैं।
2. हमें सभी संकटों का सामना साहस से करके तथा अविचल एवं अडिग रहकर सफलता मिलती है।
3. संकट आने पर अविचल रहना चाहिए।
4. हिमालय हर परिस्थिति में अडिग रहने का संदेश दे रहा है।
- (ग) 1. बता रहा है
डरो न
2. जग में
उसको, जीने में,
- (घ) 1. अस्थिर
2. चल
3. निडर
4. दुलमुल
- (ङ) 1. आँधियाँ
2. तारे
3. मुसीबतें
4. सफलताएँ
- (च) 1. **संकट** — विपत्ति, मुसीबत, विपदा
2. **प्रण** — प्रतिज्ञा, संकल्प, प्रस्ताव
3. **नभ** — आकाश, व्योम, गगन
4. **पथ** — रास्ता, मार्ग, डगर
5. **जग** — संसार, विश्व, जगत
- (छ) 1. हिमालय देश का सजग प्रहरी है।
2. सफलता निरन्तर परिश्रम से मिलती है।

जीवन कौशल एवं मूल्य

हमें हिमालय पर्वत से विषम परिस्थितियों में भी अडिग व अविचल रहने की शिक्षा मिलती है।

कला समन्वय

छात्र स्वयं करें।



8.

हमारा राष्ट्रीय पेड़

- (क) 1. (iii) बरगद
2. (i) हिन्दू
3. (iv) त्रिमूर्ति
- (ख) 1. भारत का राष्ट्रीय पेड़ बरगद है।
2. इसे 1950 में भारतीय सरकार द्वारा राष्ट्रीय वृक्ष का दर्जा दिया गया था।
3. बरगद के पेड़ों के पत्ते लम्बे और अंडाकार होते हैं।
- (ग) 1. बरगद का अंग्रेजी नाम बैन्यन ट्री है।
2. इसके फल छोटे, गोल और लाल रंग के होते हैं।
3. बरगद का अन्य नाम 'फाइकस बैंगालेंसिस' है।
4. बरगद के वृक्ष पर गर्मियों के मौसम में फल आते हैं।
5. बरगद के पेड़ को त्रिमूर्ति का प्रतीक माना जाता है। इसकी जड़ों में ब्रह्मा, छाल में विष्णु और शाखाओं में शिव विराजते हैं।
- (घ) 1. लम्बे और अंडाकार
2. 1950
3. बहुत सारी आयुर्वेदिक
4. फाइकस बैंगालेंसिस
- (ङ) 1. पराया
2. सर्दी
3. आसमान
4. बाहर
5. बड़े
6. दुःख
7. थोड़े
8. छोटा
- (च) 1. चिहनों
2. तने
3. शाखाएँ
4. जड़ें
5. महीने
- (छ) राष्ट्र — राज्य, देश, मुल्क
चिह्न — लक्षण, पहचान, संकेत
वृक्ष — द्रुम, पेड़, आगम
शिव — शंकर, भोलेनाथ, महादेव
दूध — पय, गोरस, दुग्ध
- (ज) 1. बरगद का वृक्ष पूजनीय और लाभकारी है।
2. विशाल स्थल पर खेलों का आयोजन होता है।
3. पेड़ पर फल लगते हैं।

जीवन कौशल एवं मूल्य

पर्यावरण और जलवायु की सुरक्षा की दृष्टि से पेड़ों को नहीं काटना चाहिए। स्वच्छ पर्यावरण स्वास्थ्यवर्धक है। पेड़ों से मिट्टी का कटाव रुकता है। पेड़ बारिश को आमन्त्रित करते हैं।



9.

कौन बड़ा

- (क) 1. (ii) रानी के
2. (iii) रानी ने
3. (iii) रानी को
- (ख) 1. तेनालीराम कृष्णदेव राय के चतुर दरबारी थे।
2. तेनालीराम से रानी ने पूछा कि राजा बड़े हैं या मैं।
3. तेनालीराम ने रानी को धरती और राजा को आसमान बताया।
- (ग) 1. धरती — धरा, पृथिवी, अग्नि, वसुन्धरा
2. आसमान — नभ, गगन, अम्बर, व्योम
3. चतुर — छलिया, पटु, होशियार, चालाक
- (घ) 1. आकाश
2. रानी
3. जवाब
4. छोटा
5. जीतना
6. बुराई
7. बुरा
- (ङ) 1. बेसमझ
2. सुसमाचार
3. कुपुत्र
4. अपमान
- (च) 1. महल को देखकर सब हैरान हो गये।
2. उत्सुकता में जल्दबाजी ठीक नहीं होती।
3. स्वादिष्ट भोजन सबको अच्छा लगता है।
4. आमन्त्रित लोगों में हमारा भी नाम था।

जीवन कौशल एवं मूल्य

हमें अपनी बुद्धि का विकास समस्याओं और प्रश्नों को हाजिर जवाबी के साथ उत्तर देने की कला के आधार पर विकसित करना चाहिए।



10.

गौतम बुद्ध

- (क) 1. (i) शुद्धोधन
2. (iii) यशोधरा
3. (ii) कुशीनगर

- (ख) 1. गौतम बुद्ध कपिलवस्तु के राजा शुद्धोधन के पुत्र थे।
 2. गौतम की माता का नाम महामाया और पिता का नाम शुद्धोधन था।
 3. सिद्धार्थ के पुत्र का नाम राहुल था।
 4. निरंजना नदी के किनारे तप करते हुए गौतम बुद्ध को ज्ञान प्राप्त हुआ।
 5. एक वृद्ध, एक रोगी और एक शवयात्रा को देखकर सिद्धार्थ के मन में वैराग्य भावना फिर जाग उठी।
- (ग) 1. देवदत्त
 2. लुम्बिनी
 3. यशोधरा
 4. कुशीनगर
- (घ) 1. नर्क
 2. दिन
 3. पराया
 4. अंदर
 5. अशांति
 6. सत्कार
- (ङ) 1. मौसी
 2. पिता

विचार कौशल

1. गौतम बुद्ध कपिलवस्तु के राजा शुद्धोधन के पुत्र थे।
2. वे बचपन से ही दयालु थे।
3. जीवन में दुःख देखकर उन्हें वैराग्य हो गया।
4. उन्हें निरंजना नदी के किनारे तप करते हुए ज्ञान प्राप्त हुआ।
5. गौतम बुद्ध ने 45 वर्ष घूमकर अपने मत का प्रचार किया।

जीवन कौशल एवं मूल्य

1. जीवन में दयालु बनें और जीवों पर दया करें।
2. भौतिक सुख-सुविधाओं से आत्मिक शांति नहीं मिलती।
3. जीवन में मध्यम मार्ग ही उचित है।
4. त्याग और कष्ट सहकर मनुष्य निखरता है।
5. सभी मनुष्य समान हैं।



11.

रेल

- (क) 1. (ii) रेल
 2. (iii) गार्ड
 3. (ii) छुक-छुक
- (ख) 1. इस कविता के कवि हरिवंशराय बच्चन हैं।

2. बच्चे रेलगाड़ी बनने का खेल खेल रहे हैं।
 3. सबसे आगे इंजन होगा।
 4. सबसे छोटे को गार्ड बनाया जायेगा।
- (ग) 1. मोटा काला वही बनेगा इंजनवाला।
2. सबसे पीछे गार्ड बनाया जायेगा।
हरी चलाने को, रुकने को
- (घ) 1. पतला 2. पीछे
3. बड़ा 4. बाएँ
- (ङ) 1. बातें 2. डिब्बे
3. छोटे
- (च) लाल झंडी गाड़ी रोकने के लिए दिखायी जायेगी और हरी झंडी गाड़ी चलाने के लिए दिखायी जायेगी।

जीवन कौशल एवं मूल्य

1. अनुशासित होना चाहिए।
2. सहयोगात्मक होना चाहिए।
3. अपना कर्तव्य याद रखना चाहिए।
4. यात्रियों से मधुर व्यवहार करना चाहिए।

□

12.

योग

- (क) 1. (ii) व्यायाम
2. (i) भारत
 3. (iii) प्रातः
- (ख) 1. योग शरीर तथा मस्तिष्क के सम्बन्धों से संतुलन बनाने में हमारी काफी सहायता करता है।
2. बौद्ध तथा हिन्दू धर्म से जुड़े लोग योग और ध्यान का प्रयोग करते थे।
 3. योग के सभी आसनों से लाभ प्राप्त करने के लिए सुरक्षित और नियमित अभ्यास की आवश्यकता होती है।
 4. हमें योगासन योग गुरु की देख-रेख में करने चाहिए।
- (ग) 1. शरीर, मस्तिष्क
2. बीमारियों
 3. युज्
- (घ) 1. मृत्यु 2. अस्वस्थ
3. घटना 4. असुरक्षित

- (ड) 1. **प्राचीन** — पुरातन, पुराना, पुराकालीन
 2. **अधिक** — ज्यादा, बहुत, प्रचुर
 3. **लाभ** — फायदा, मुनाफा, नफा
- (च) 1. **प्रवाह** के साथ कूड़ा-करकट बाहर आ गया।
 2. **मस्तिष्क** में नये-नये विचार आते हैं।
 3. **प्रतिरोधी** शक्ति के कारण बीमारियों को दूर रखा जाता है।

जीवन कौशल एवं मूल्य

- योग मन-मस्तिष्क के मध्य संतुलन बनाये रखता है। इससे व्यक्ति बीमारियों से दूर रहता है। स्मरण शक्ति बढ़ती है। हमारे जीवन में योग के प्रति जागरूकता योग गुरु द्वारा सिखाये योगों से बढ़ी।
- हमें योगाभ्यास के अतिरिक्त व्यायाम और खेलों द्वारा भी स्वयं को स्वस्थ रखना चाहिए।



13.

खेल का महत्त्व

- (क) 1. (i) क्रीड़ा
 2. (ii) धैर्य से
 3. (iii) पाठशाला
- (ख) 1. खेलकर आने के बाद हमें अच्छा लगता है।
 2. अकेले खेलने और मिल-जुलकर खेलने में अंतर है कि मिल-जुलकर खेलने से शक्ति बढ़ती है। प्रतिस्पर्धा से जीत की प्रेरणा मिलती है।
 3. खेल का अर्थ क्रीड़ा है।
 4. खेल से सहयोग की भावना बढ़ती है, संकट के समय धैर्य रखने का साहस और जीत एवं हार जीवन के अंग हैं, इस बात का विकास होता है।
- (ग) 1. क्रिकेट, वालीबॉल, टेनिस, हॉकी, फुटबॉल, शतरंज, दौड़, मुक्केबाजी।
 2. जिससे बच्चे सरलता से और खुशी से पढ़ना सीख ले।
 3. खेलने से मनोरंजन होता है, धैर्य रखने का विकास होता है, मिल-जुलकर कार्य करने की प्रेरणा मिलती है।
- (घ) 1. पाठशाला
 2. चुस्त
 3. हार और जीत
- (ड) 1. क्रीड़ाएँ
 2. बच्चे
- (च) 1. पिछड़ापन
 2. अस्वस्थ
 3. असफलता
 4. अधैर्य
 5. शत्रु
 6. मृत्यु

- (छ) 1. सहायता करके जताना नहीं चाहिए।
 2. मनोरंजन द्वारा शरीर ताजगी महसूस करता है।
 3. मैदान में अनेक प्रकार के खेल खेले जाते हैं।



14.

एक आवाज

- (क) 1. (ii) बस्ता
 2. (iv) रसोईघर से
 3. (iii) चेतावनी
- (ख) 1. चिट्ठू बिना हाथ धोये खाना खाने लगा।
 2. मेज पर सेब, संतरा, जलेबी, गुलाब जामुन, समोसे आदि रखे थे।
 3. चिट्ठू को एक आवाज सुनायी दी। उसे आवाज ने चेतावनी दी।
- (ग) 1. हमें गलतियों को इसलिए स्वीकार करना चाहिए ताकि भविष्य में वह गलती हम फिर न दोहराएँ।
 2. हमें सच बोलना चाहिए। झूठ बोलने वालों का समाज में अनेक बार अपमान होता है, उन्हें भरोसे लायक नहीं समझा जाता है।
 3. हमारे अंदर एक आवाज होती है जो कुछ गलत करने पर हमें चेतावनी देती है।
- (घ) 1. गलतियाँ
 2. समोसे
 3. कपड़े
 4. फलों
- (ङ) 1. बेकार 2. बाहर 3. झूठ
 4. पीछे 5. रात
- (च) 1. दादा — दादी
 2. पोता — पोती
 3. नाना — नानी
 4. भाई — बहन
 5. बेटा — बेटी
 6. लड़का — लड़की
 7. पुत्र — पुत्री
- (छ) 1. गलती से सबक लेना जरूरी है।
 2. आवाज हमारे हृदय या भीतर होती है जो हमें सचेत करती है।
 3. आवश्यकता से अधिक बात करने से नुकसान होता है।
 4. स्वास्थ्य अच्छा है तो जीवन सफल है।

जीवन कौशल एवं मूल्य

अंदर से जो आवाज आती है वो हमारे मन की आवाज होती है जो वो महसूस करता है। अतः हमें उसे सुनना चाहिए।



15.

मोर

- (क) 1. (iii) मोर
2. (iv) बादल
3. (ii) कृष्ण
- (ख) 1. मोर प्यारा-प्यारा लगता है।
2. मोर पीऊ-पीऊ कर शोर मचाता है।
3. मोर खेत व बगिया में उड़कर चमक-दमक फैलाता है।
- (ग) 1. मोर हमारा
लगता कितना
2. राज दुलारा
कैसा सुंदर
- (घ) 1. कुरूप
2. सफेद
3. उजाला
4. शाम
5. बड़े
6. दुःख
- (ङ) 1. अनेक
2. औरतें
3. बगीचे
4. जूते
- (च) 1. बादल गरजते हैं।
2. सुंदर लिखावट सबका मन मोह लेती है।
3. बगिया में अनेक पेड़-पौधे थे।
4. मुकुट पहनकर अभय रामलीला में आया तो कोई उसे पहचान नहीं पाया।

जीवन कौशल एवं मूल्य

जीवन में सुंदर कार्यों द्वारा एक मिसाल बनें और प्रसन्न होकर रहना चाहिए। स्वयं को सुंदर बनाने हेतु व्यायाम एवं परिश्रम करना चाहिए। मेहनत और मस्ती से जीवन को सफल बनाना चाहिए।



16.

बूझे तो ...

केवल पठन हेतु



17.

बापू की सीख..

- (क) 1. (ii) जगदीश बसु
2. (ii) सोमवार
3. (iv) अटैची
- (ख) 1. बापू स्वच्छता, किफायत, सुख-दुःख में एक-सा दृष्टिकोण और दार्शनिक सोच के कारण आदर्श शिक्षक थे।
2. मौन व्रत के दौरान बापू अपनी बात दूसरों तक लिखकर पहुँचाते थे।
3. बापू एक छोटे रूमाल से नाक पोंछते थे तथा दूसरे से हाथ मुँह पोंछते थे।
4. हमसे अधिक जिसकी हानि हुई है उसके बारे में सोचें, तो चिंता कम हो जाएगी।
- (ग) 1. बापू ने आभा को पत्ता तोड़ते हुए देखा।
2. फूलों को बिना आवश्यकता तोड़ना भी हिंसा ही है।
3. बापू सही अर्थों में शिक्षक थे।
4. बापू को जब लिखना होता था तो वे लिफाफों को खोलकर उसके अंदर की ओर के बिना लिखे या बिना छपे वाले हिस्से पर लिखते थे।
- (घ) 1. (X) 2. (✓) 3. (X) 4. (✓)
- (ङ) छात्र स्वयं करें।
- (च) 1. गृह कार्य में दक्ष लड़कियाँ ससुराल में आसानी से निभ जाती हैं।
2. ग्रह संख्या में आठ हैं।
3. बाग में अनेक फलदार वृक्ष हैं।
4. बाघ ने भेड़ को मार डाला।
- (छ) कबूतर, कोयल, कौआ, मोर, पेंग्विन, चिड़िया आदि।

जीवन कौशल एवं मूल्य

हमें संवेदनशील होना चाहिए चाहे वे पेड़-पौधे के प्रति हो या इंसान। हमें किफायत से चीजों का उपयोग करना चाहिए। स्वच्छता का विशेष ध्यान रखना चाहिए। हमें अपनी हानि से हुई चिंता को कम करने के लिए यह सोचना चाहिए इससे ज्यादा हानि किसे हुई।



18.

डाकघर

- (क) 1. (ii) अध्यापक ने
2. (iii) दिल्ली से
3. (iii) डाकघर
- (ख) 1. पत्र रजत गोयल ने अपने भाई अमन को लिखा।

2. डाकघर डाक के कार्यालय को कहते हैं।
3. डाकघर में डाक भेजने/प्राप्त करने का प्रबंध होता है।
4. डाकघर से हम कार्ड, लिफाफे, टिकट आदि खरीदते हैं।
5. रजिस्ट्री करने वाला पत्र या पार्सल को रजिस्टर करके उसकी रसीद दे देता है।
6. डाकघर में बचत खाता खोलकर अपना रुपया जमा कराकर पासबुक पर मोहर लगवा लेते हैं। जब चाहे अपने खाते से पैसा निकलवा सकते हैं।

(ग) शिक्षक

प्रबंध

सूचना

कार्यालय

(घ) क्लर्क

टिकटें

डाकघर

पासबुक

रुपया

खिड़की

डाक भेजने/प्राप्त

अनिष्का

पत्र या पार्सल

(ङ) धब्बा

अवश्य

नष्ट

क्या

क्लर्क

रजिस्टर

नमस्ते

द्वारा

अध्यापक



19.

जीवन का सार

- (क) 1. (ii) जो स्वस्थ और प्रसन्न रहता है
2. (i) सबसे प्रेम से बोलना चाहिए।
- (ख) 1. चुभती, प्रेम सुधा
बूढ़े, मजाक
2. वैरी, दूर
खाली, काम
3. सेवा धर्म, बड़ा
मेवा, चित्त
- (ग) 1. समय बहुत कीमती है इसका एक पल भी बेकार न करो।
घर के कार्य में किसी प्रकार की शर्म नहीं करो।
2. जो तुम्हारे सदैव गुणों की प्रशंसा करता है उसे कभी मित्र मत बनाओ, अच्छा मित्र तुम्हारी कमियाँ भी बताता है। अपनी अधिक प्रशंसा सुनकर कभी भी मत इतराओ।
- (घ) 1. सदा रहो आनंद से, यह जीव का सार।
2. माता-पिता गुरु को सदा, नित्यप्रति करो प्रणाम।
3. मूल्यवान है समय बहुत, क्षण एक न व्यर्थ गँवाओ।
4. गुण गाता जो सदा तुम्हारे, उसे न मित्र बनाओ।

- (ङ) 1. हमें सूर्योदय से पहले जागना चाहिए, घूमने जाना चाहिए और हल्का व्यायाम करना चाहिए।
 2. माता-पिता गुरु के शुभ आशीष से सब काम बन जाते हैं।
 3. हमें आलस को अपना वैरी समझना चाहिए।
 4. समय को व्यर्थ नहीं गँवाना चाहिए।
 5. सदा गुणगान करने वाले मित्र से दूर रहें क्योंकि इससे तुम्हारा ध्यान अपनी कमियों पर नहीं जायेगा। यह सुधार रोकने का कार्य करेगा।
- (च) आनंद
 आशीष
 प्रणाम
 व्यायाम
 सुधा
- (छ) 1. मन 2. कीमती
 3. दोस्त 4. विश्व
 5. रिपु 6. अमृत
 7. बेकार 8. प्रतिष्ठा
- (ज) 1. दुलार 2. सबेर
 3. विराम 4. मजबूर
 5. रँगाओ 6. बुलवाओ
- (झ) निराशा
 प्रसन्नता
 पीड़ा

प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र-1 (अध्याय 1 से 10 तक पर आधारित)

- (क) 1. (iii) शहीदों की
 2. (ii) अर्जुन
 3. (iv) ये सभी
- (ख) 1. हमें 'जय हिन्द' का नारा लगाना चाहिए।
 2. पांडवों और कौरवों के गुरु थे।
 3. पौष्टिक आहार विशेषकर मेवा खाने से बीमारियाँ दूर रहती हैं।
 4. बरगद भारत का राष्ट्रीय पेड़ है।
- (ग) 1. द्रोणाचार्य
 2. मस्तिष्क
 3. अगस्त
 4. कुशीनगर
- (घ) 1. अस्थिर 2. दुःख
 3. रानी 4. अशांति

प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र-2 (अध्याय 11 से 19 तक पर आधारित)

- (क) 1. (iii) प्रातः
2. (ii) धैर्य से
3. (iii) दिल्ली से
- (ख) 1. खेल का अर्थ क्रीड़ा है।
2. मेज पर समोसे, जलेबी, मिठाईयाँ, फल रखे थे।
3. अपने से अधिक हानि वालों के बारे में सोचकर अपनी चिंता कम हो जाती है।
4. डाकघर डाक के कार्यालय को कहते हैं।
- (ग) 1. शरीर, मस्तिष्क
2. युज्
3. सक्रिय
4. सुख और दुःख
- (घ) 1. लाभ — फायदा, नफा, मुनाफा
2. प्राचीन — पुरातन, पुराकालीन, पुराना
3. अधिक — ज्यादा, प्रचुर, विपुल

